VIDEO Play

AUDIO

भजन

तर्ज........ रसिक बलमा

कहे अंगना........
हो रोग लगाया, कैसा रोग लगाया

1) रोग ये कहिए कासों, पीठ दई परआतम को
विरहा में तेरी प्यारी, रो-रो के अब तो हारी

2) पिऊ मुख न देखूँ जोलों, रोग मिटे ना तोलों
उस पल घड़ी की देखूँ, राह मैं अंगना तेरी

3) सुख विरहा में है जेता, होगा मिलन में तेता
अब मैं तो समझी पिया, लीला वो अपनी सारी